

सांसे हो रही हैं कम, आओ पेड़ लगायें हम

शाश्वत कृषि और वानिकी तंत्र अपनाए।
बेहतर तथा समृद्ध भविष्य पाए।

अनोखी विपणन प्रणाली: कंपनी की हरितगृहों से पौधे सीधे आपके खेत पर पहुँचाए जाते हैं।
कोई अतिरिक्त परिवहल शुल्क नहीं लिया जाता।



(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

www.kaushalkisangroup.com



उत्कृष्ट कृषि तंत्र तथा आदानो में अग्रणिय

- आई. एस. ओ. 9001–2015 प्रमाणित कम्पनी
- किसानों की उन्नति के लिए समर्पित
- विश्वस्तरीय आधुनिक प्रयोगशाला
- वैज्ञानिक तकनीकी द्वारा तैयार उत्पाद
- उचित मूल्य पर किसानों को सीधे आपूर्ति
- महत्वपूर्ण एवं पीढ़ी के जैविक उर्वरक,
जैविक खाद, वनस्पति वृद्धि उत्तेजक,
एवं सूक्ष्म पोषक तत्व



www.kaushalkisangroup.com



नियमित रूप से प्रयासरत व कुछ नया करने की द्रढ़ इच्छा शक्ति के साथ कौशल किसान संस्था लेकर आयी है।

कटहल



कटहल की किस्में

कटहल का प्रसार अधिकतर बीज से होता है। अतः एक ही किस्म के बीज द्वारा तैयार पौधों में भिन्नता पायी जाती है। इसकी प्रमुख किस्में रसदार, सिंगापुरी, गुलाबी, बारमासी, खजवा आदि है।

कटहल की उन्नत खेती

1. भारत का महत्वपूर्ण फल है। इसकी बागवानी बिना विशेष देखभाल के की जा सकती है।
2. कटहल के कच्चे व पके दोनों प्रकार के फलों की उपयोगिता है।
3. सब्जियों में कटहल का काफी महत्वपूर्ण स्थान है।
4. कटहल का उदगम स्थान भारत वर्ष ही है।

मिट्टी

कटहल की खेती सभी प्रकार की मिट्टी में की जा सकती है। लेकिन गहरी दोमट तथा बलुई दोमट मिट्टी इसकी बागवानी के लिए सबसे उपयुक्त है। कटहल उष्ण कटिबन्धीय फल है। इसे शुष्क तथा नम दोनों प्रकार की जलवायु में उगाया जा सकता है।

कटहल लगाने का तरीका व सावधानिया

1. कटहल की खेती के लिए अच्छी तरह से तैयार जमीन की आवश्यकता होती है।
2. मिट्टी को भुरभुरा करने के लिए 2 से 3 बार जुताई करके जमीन को समतल करना चाहिए
3. कटहल रोपाई के लिए उपयुक्त समय जुलाई से सितम्बर है।
4. पौधे को प्राप्त करने के दस दिन के अन्दर पौधे को लगाना अनिवार्य है।
5. पौधे लगाने के लिए जमीन में 1 फिट गड्ढा खोदकर पौधा लगाना चाहिए।
6. इस तरह खोदे गये गड्ढे में पौधा रोप दीजिये।
7. पौधे के बीच में उचित दूरी अवश्य बनायें रखे।





(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

कटहल की खेती

भारत में कटहल एक सदाबहार वृक्ष होता है, जो करीब 8 सेंटीमीटर ऊंचा और गहरे हरे पत्ते वाले इस बहुशाखीय वृक्ष की खेती किसानों के लिए आय की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसकी खेती से बहुत अच्छा मुनाफ़ा होता है. कटहल कच्चा हो या पका हुआ, इसको दोनों प्रकार से उपयोगी माना जाता है, इसलिए बाजार में इसकी मांग ज्यादा होती है. इसकी बागवानी यूपी, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और दक्षिण भारत के कई राज्यों में होती है, तो आइए आज आपको कटहल की खेती की पूरी जानकारी देते हैं.

www.kaushalkisangroup.com



**KAUSHAL KISAN
GROUP OF
COMPANIES**

WWW.KAUSHALKISANGROUP.COM



(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

उपयुक्त जलवायु और मिट्टी

कटहल की खेती किसी भी प्रकार की मिट्टी में हो जाती है, लेकिन फिर भी इसकी बागवानी के लिए गहरी दोमट और बलुई दोमट मिट्टी उपयुक्त है. इसकी खेती में अच्छा जल विकास होना चाहिए. इसके अलावा कटहल उष्ण कटिबन्धीय फल है, इसलिए इसको शुष्क और नम, दोनों प्रकार की जलवायु में उगाया जा सकता है.

www.kaushalkisangroup.com





(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

किस्में

कटहल की खेती अधिकतर बीज से होती है. बता दें कि एक ही किस्म के बीज से कई तरह के पौधों को तैयार किया जाता है. इसकी कई प्रमुख किस्में रसदार, खजवा, सिंगापुरी, गुलाबी, रुद्राक्षी आदि हैं.

www.kaushalkisangroup.com





(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

खेत को तैयार करना

इसका पौधा कई सालों तक उत्पादन देता है, इसलिए खेत को अच्छी तरह तैयार करना चाहिए. इसकी खेती के लिए एक बार अच्छी जुताई करके खेत को समतल कर देना चाहिए. इसके बाद खेत में करीब 10 फ़ीट की दूरी पर एक फ़ीट चौड़ा और गहरा खड्डा बना दें.

www.kaushalkisangroup.com



KAUSHAL KISAN GROUP OF
COMPANIES

WWW.KAUSHALKISANGROUP.COM



(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

पौधे की सिंचाई

इसकी खेती में ज्यादा पानी की ज़रूरत नहीं पड़ती है, इसलिए अगर बारिश का मौसम है, तो पौधे को पानी न दें. अगर बारिश न हो, तो पौधों को ज़रूरत के हिसाब से पानी देना चाहिए. अगर बारिश का मौसम नहीं है, तो पौधों को करीब 15 से 20 दिन के अंतराल में पानी दें.

www.kaushalkisangroup.com





(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

निकाई-गुड़ाई

इसकी खेती में निकाई-गुड़ाई करने के बाद पौधे के थाले साफ़ रखने चाहिए. अगर बड़े पेड़ों का बाग है, तो साल में 2 बार जुताई कर दें. ध्यान दें कि कटहल के बाग में बारिश का पानी जमने न दें

www.kaushalkisangroup.com





(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

पैदावार

बाज़ार में कटहल की अच्छी कीमत होती है. अगर एक हेक्टेयर में करीब 250 से ज्यादा पौधे लगाए हैं, तो साल में 6 से 7 लाख तक की पैदावार हो सकती है. कटहल का पौधा 2 से 3 साल में पैदावार देने लगता है. इसकी पैदावार अलग-अलग किस्मों के आधार पर होती है.

www.kaushalkisangroup.com





(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम



**KAUSHAL KISAN GROUP OF
COMPANIES**

WWW.KAUSHALKISANGROUP.COM

WWW.KAUSHALKISANGROUP.COM



**KAUSHAL KISAN
GROUP OF
COMPANIES**

WWW.KAUSHALKISANGROUP.COM



(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

कौशल किसान ग्रुप ऑफ़ कम्पनी द्वारा किसानों को मुफ्त में दी जाने वाली सेवाएं :-

➤ पौधों को किसानों के घर या खेत तक पहुंचाने के लिए मुफ्त वाहन सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है।

➤ क्षतिग्रस्त पौधों की प्रतिस्थापना। यह सुविधा सिर्फ एक बार के प्रतिस्थापन के लिए होती है।

➤ २ साल तक कंपनी के कर्मचारियों द्वारा समय समय पर देखभाल की सुविधा दी जाती है।

➤ किसी भी सुझाव या शिकायत के लिए हमारे प्रतिनिधियों से मुफ्त तकनीकी सेवा फ़ोन द्वारा या ब्यक्तिगत रूप में ले सकते हैं

➤ किसी भी सुझाव या शिकायत के लिए कम्पनी का टोल फ्री नंबर उपलब्ध है -18001236246



www.kaushalkisangroup.com



(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

Corp. Office : H.No. 265, Opp.Tejaji Ka Mandir,

Khedli Phatak, Kota Raj. - 324001 | Ph.: 0744 2323168

Branch Office : Plot.No. 194, R K Business Centre, Near, Shivaji Nagar, Nagpur, Maharashtra - 440010

Branch Office : Malaviya Chowk, Wing - B, 7th Floor, Office No. 5, Gondal Road, Rajkot (GUG)

Branch Office : Near Agarwal Dharamshala, Sec. 11, Hiran Mangri, Udaipur Rajasthan - 313001

Toll Free No. 18001236246 | Website : www.kaushalkisan.com | www.navjeevanbio.com